भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1632
गुरुवार, 01 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कार्बन न्यूट्रल विमानपत्तन

1632. श्री अरविंद धर्मापुरी:
श्री मुरारी लाल मीना:
श्री विद्युत बरन महतो:
श्री लुम्बा राम:
श्री खगेन मुर्मु:
श्रीमती कमलजीत सहरावत:
श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल:
श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विमानपत्तनों पर हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) 2014 से हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी से सुसज्जित विमानपत्तनों की संख्या कितनी है;

(ग) विमानपत्तनों को कार्बन न्यूट्रल बनाने के लिए आगे की रूपरेखा क्या है; और

(घ) क्या आईजीआई एयरपोर्ट, दिल्ली को प्राथमिकता के आधार पर कार्बन न्यूट्रल बनाया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) सहित हवाईअड्डा प्रचालकों ने हवाईअड्डों पर हरित ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए हरित और नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और स्व-उपभोग के लिए विभिन्न स्थानों/हवाईअड्डों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ हवाईअड्डे खुली पहुंच के माध्यम से भी हरित ऊर्जा की प्राप्ति कर रहे हैं।

(ख): वर्ष 2014 से अब तक कुल 73 हवाईअड्डों ने 100% हरित ऊर्जा का उपयोग करना शुरू किया है।

(ग): नागर विमानन मंत्रालय ने देश के हवाईअड्डों पर कार्बन न्यूट्रलिटी की दिशा में काम करने के लिए पहल की है और भारतीय हवाईअड्डों के कार्बन लेखांकन और रिपोर्टिंग ढांचे को मानकीकृत करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन शमन पर जागरूकता पैदा करने के लिए ज्ञान साझा करने हेतु सत्र आयोजित किए हैं। इसके अलावा, अनुसूचित परिचालन वाले हवाईअड्डा प्रचालकों को अपने-अपने हवाईअड्डों पर कार्बन उत्सर्जन का खाका तैयार करने और चरणबद्ध तरीके से कार्बन न्यूट्रलिटी और नेट जीरो एमीशन की दिशा में काम करने की सलाह दी गई है।

(घ) : दिल्ली हवाईअड्डा 2016 से हवाईअड्डा कार्बन प्रत्यायन कार्यक्रम के अनुरूप कार्बन न्यूट्रल हवाईअड्डा है।

******